RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 18 JANUARY TO 24 JANUARY 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 18 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

घट गया हमारा विदेशी मुद्रा भंडार, जानिए क्या है वजह Page 2

Budget 2023: बजट से पहले वित्त मंत्रालय ने दी खुशखबरी, इस चीज पर हो गया टैक्स माफ Page 3

2023 में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन जाएगा भारत, चीन की जनसंख्या में आई भारी गिरावट Page 5

editoria!

दावोस बैठक और भारत

विश्व आर्थिक फोरम के अहम सालाना सम्मेलन में भारत की ओर से चार केंद्रीय मंत्रियों और तीन मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की संभावना है. इनमें रेल. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, ऊर्जा मंत्री आरके सिंह, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया, उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस बोम्मई शामिल हैं. केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी दावोस पहुंच चुकी हैं. पांच दिन के इस सम्मेलन का थीम 'विभाजित विश्व में सहयोग' रखा है तथा कई देशों के राजनेता, उद्यमी और विशेषज्ञ इस विषय से संबंधित विचार विमर्श करेंगे. दावोस में 130 देशों के 52 राष्ट्राध्यक्ष एवं शासनाध्यक्ष समेत 27 सौ नेताओं के आने की खबर है. उल्लेखनीय है कि भारत की अध्यक्षता में जी-20 समूह का थीम 'वसुधैव कुटुंबकमः एक पृथ्वी एक परिवार एक 'भविष्य' रखा गया है. स्मृति ईरानी ने कहा है कि वे सम्मेलन में सरकारी प्रतिनिधियों, उद्यमियों, उद्योगपतियों तथा सिविल सोसायटी के लोगों से मिलेंगी. इस सम्मेलन में भारत अपनी आर्थिक प्रगति, आत्मनिर्भर भारत अभियान, कोरोना महामारी को नियंत्रित करने में मिली सफलता तथा विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को सुचारू रूप से चलाने से संबंधित अनुभवों और संभावनाओं को दुनिया के सामने पेश करेगा. इस वर्ष भारत जी -20 का अध्यक्ष है और इसी साल शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन की भी मेजबानी करेगा. वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते कद को देखते हुए यह सम्मेलन एक अहम मौका है. मुख्यमंत्रियों के अलावा अनेक राज्यों के मंत्री भी अपने राज्य के विकास और निवेश की संभावनाओं की जानकारी देंगे. पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं के अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध और खाद्य व ऊर्जा का बढ़ता संकट तथा वैश्विक मंदी की आशंका इस सम्मेलन के प्रमुख विषय होंगे. स्वाभाविक है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इन विषयों पर भारत से प्रभावी हस्तक्षेप की आशा करते हैं. भारत ने भी अपनी सकारात्मक और स्पष्ट राय रखी हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों ने अनेक बार संपर्क किया है. विश्व के अन्य नेता भी मानते हैं कि रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने में प्रधानमंत्री मोदी निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं. भारत ने भी संकेत दिया है कि वह ऐसी भूमिका के लिए तैयार है, बशर्ते कोई ठोस प्रस्ताव सामने रखा जाए. विभाजित विश्व में अगर सहयोग बढ़ाने के लिए दावोस या कोई मंच आकांक्षी है, तो उसके समक्ष भारत से बेहतर आदर्श और उदाहरण नहीं हो सकता है.

चीन में मांग सुधरने की उम्मीद में उछला कच्चा तेल

नई दिल्ली। एजेंसी

चीन में डिमांड सुधरने की उम्मीद में कच्चे तेल की कीमत में मंगलवार को भी तेजी जारी रही। इससे पहले मंगलवार को भी कच्चे तेल की कीमत में उछाल देखने को मिली थी। पिछले हफ्ते इसमें आठ फीसदी की तेजी आई थी। चीन ने 2022 के जीडीपी के आंकड़े जारी कर दिए हैं। साल 1976 के बाद चीन की इकॉनमी का यह दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन है। लेकिन इस साल वहां तेल की मांग में तेजी आने की उम्मीद है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत में तेजी देखने को मिल रही है। चीन दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक है और वहां हाल में कोरोना से जुड़ी पाबंदियों में ढील दी गई है। इस बीच अपने यहां पेट्रोल और डीजल की कीमत में बुधवार को भी कोई बदलाव नहीं आया है। हाल में कच्चे तेल की कीमत 75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गई थी। लेकिन एक बार फिर इसमें तेजी दिखने लगी है। भारत में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने आखिरी बार पिछले साल सात अप्रैल को पेट्रोल-डीजल की कीमत में बदलाव किया था। इसके बाद मई में केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कमी की थी। दिल्ली में बुधवार को पेट्रोल की कीमत 96.72 रुपये और डीजल का भाव 89.62 रुपये प्रति लीटर बना हुआ है। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये डीजल 94.24 रुपये तथा कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये लीटर मिल रहा है।

क्रूड की कीमत में तेजी

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पिछले साल मार्च में क्रूड की कीमत 139 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई थी जो 2008 के बाद इसका उच्चतम स्तर था। इसके बाद यह 75 डॉलर के आसपास आ गया था लेकिन अब एक बार इसमें तेजी दिख रही है। दिसंबर में चीन के आयात में चार फीसदी बढ़ोतरी हुई है। मंगलवार को ब्रेंट क्रूड और यूएस वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट क्रूड दोनों में तेजी रही। ब्रेंट फ्यूचर्स 52 सेंट की तेजी के साथ 86.44 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। इसी तरह डब्ल्यूटीआई भी 55 सेंट की तेजी के साथ 80.73 डॉलर पर पहुंच गया।

धरती के लिए फायदेमंद हो जाएगी प्लास्टिक, तकनीक से कचरे को 'बायोचार' में बदला जा सकेगा

नई दिल्ली। एजेंसी

वैज्ञानिकों ने ऐसी तकनीक विकसित की है, जिससे प्लास्टिक कचरे को 'बायोचार' में बदला जा सकेगा। उनका मानना है कि इससे मिट्टी की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। आने वाले समय में प्लास्टिक कचरा, प्रकृति के लिए खतरा नहीं बना रहेगा। अमेरिका की कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने प्लास्टिक को उपयोगी 'बायोचार' में बदलने की तकनीक विकसित की है, जिसे मिट्टी के साथ मिलाकर फसल की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सकेगा।

क्या है बायोचार

बायोचार यानी 'जैविक चारकोल'। यह एक बेहद सस्ती, सरल और वैज्ञानिक तकनीक है, जिससे किसी भी तरह की मिट्टी के उपजाऊपन को लंबे समय के लिए बढ़ाया जा सकता है। प्लास्टिक के दो सामान्य रूप- पैकेजिंग फोम और पानी की बोतल बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली प्लास्टिक को नई प्रक्रिया से चारकोल में बदलकर इसकी राख को मिट्टी में मिलाने से इसकी जल धारण क्षमता में सुधार किया जा सकेगा और खेत को हवादार बनाया जा सकेगा। यह प्रयास मिट्टी को उपजाऊ बनाए रखने में मदद कर सकता है। वैसे तो इस तकनीक के अभी तक किए गए सारे परीक्षण सफल माने गए हैं, लेकिन अभी इसको कई परीक्षणों से गुजरना है, ताकि इसकी सटीकता को और प्रभावी बनाया जा सके।

कैसे काम करती है तकनीक

यह कार्य दो सामान्य प्रकार के प्लास्टिक को स्टोव मकई (मकई के बचे डंठल और पत्ते) के साथ मिलाने से शुरू होती है। इसके बाद मिश्रण को 'हाइड्रोथर्मल कार्बोनाइजेशन' नाम की प्रक्रिया के दौरान गर्म पानी में डाला जाता है। इस तकनीक से बनने वाला चारकोल बहुत झरझरा होता है। यह संभावित रूप से मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाने या ईंधन के रूप में उपयोग किया जा सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, उनका यह शोध पहले के एक अध्ययन पर आधारित था, जहां उन्होंने चारकोल का उत्पादन करने के लिए स्टोव मकई का इस्तेमाल किया, जिससे पीने का पानी लगभग 98 प्रतिशत प्रदूषक तत्व को अवशोषित कर पाया। हालांकि, ताजा परीक्षण बताते हैं कि प्लास्टिक के मिश्रण से बना चारकोल पानी से केवल 45 प्रतिशत प्रदूषक तत्व को ही अवशोषित करने में सक्षम था, जिससे यह प्रयास वाटर ट्रीटमेंट सॉल्यूशन के रूप में अधिक प्रभावी नहीं हो पाया। अब वे बायोचार के गुणों में सुधार करने की कोशिश पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उम्मीद है कि आने वाले समय में दुनिया के साथ-साथ भारत में भी प्लास्टिक कचरे से तैयार बायोचर, मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाने या ईंधन के रूप में उपयोग किया जा सकेगा।

News यू केन USE

सयाजी इंदौर के चॉपस्टिक सिटी में ल्हासा व्यंजनों के यादगार स्वाद का आनंद

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सयाजी इंदौर के चॉपस्टिक सिटी ने हर्षोउल्लास के साथ अपना ल्हासा फूड फेस्टिवल आयोजित किया, जहां आप पारंपरिक माहौल के बीच स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा सकते हैं। 13 जनवरी से 20 जनवरी 2023 तक, इस फेस्टिवल में शामिल होकर थुपका सूप, शाप्टा मटन, तिब्बती चाउमीन, डहुआ, याक, डंपलिंग आदि के साथ ल्हासा व्यंजनों का स्वाद लें। श्री प्रसाद राव, डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस, सयाजी इंदौर ने बताया कि ''सयाजी इंदौर में हम अपने सम्मानित अतिथियों के लिए खानपान के यादगार अनुभव प्रदान करने का प्रयास करते हैं और हमेशा कुछ नया लाने के लिए उत्सुक रहते हैं। सयाजी इंदौर आपके लिए ल्हासा फूड फेस्टिवल आयोजित कर गर्व महसूस कर रहा है, जिसमें आप 13 से 20 जनवरी 2023 तक तिब्बती क्षेत्र के पारंपरिक मसालों और भरोसेमंद स्वाद का आनंद ले सकते हैं।'' सयाजी इंदौर में चॉपस्टिक सिटी प्रामाणिक पैन-एशियाई व्यंजनों के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन है। रेस्टोरेंट इंडस्ट्री के सर्वश्रेष्ठ रसोइयों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न प्रकार के व्यंजन पेश करता है जो आपको यादगार स्वाद प्रदान करेंगे। 2022 में रिओपनिंग के बाद से चॉपस्टिक सिटी ने इंदौर शहर में कुछ ऐसा अनूठा और दिलचस्प पेश करना सुनिश्चित किया है जिसका अनुभव पहले कभी नहीं किया गया है।

मेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 13 पैसे गिरकर 81.82 पर

नई दिल्ली। एजेंसी

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे गिरकर 81.82 के स्तर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर रुख के साथ 81.80 पर खुला, और फिर अपने पिछले बंद के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट दर्ज करते हुए 81.82 पर आ गया। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 81.69 पर बंद हुआ था। इसबीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.49 फीसदी बढ़कर 102.88 पर पहुंच गया। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.65 प्रतिशत बढ़कर 86.48 डॉलर प्रति बैरल पर था। कारोबारियों ने कहा कि बैंक ऑफ जापान के नीतिगत बयान से पहले बाजार प्रतिभागी सतर्क हैं। बैंक ऑफ जापान अब तक का सबसे अधिक उदार केंद्रीय बैंक रहा है और इसने अपनी नीति को अत्यधिक उदार बनाए रखने के लिए सभी तरह के अपरंपरागत साधनों का इस्तेमाल किया है।

PF पर बढ़ सकता है ब्याज! ज्यादा रिटर्न पाने के लिए EPFO बदलेगा निवेश रणनीति

नई दिल्ली। एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन सब्सक्राइबर्स को आने वाले समय में ज्यादा ब्याज मिल सकता है. ईपीएफओ ज्यादा रिटर्न के लिए अब अपनी निवेश रणनीति में बदलाव करने जा रहा है. एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स के माध्यम से किए गए इक्विटी इनवेस्टमेंट में प्रॉफिट बुकिंग के लिए 10 फीसदी रिटर्न की सीमा निर्धारित करने का प्रस्ताव वित्त निवेश और लेखा परीक्षा समिति ने किया है। यही नहीं शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का लाभ लेने के लिए ईटीएफ में लगाए पैसे को एकमुश्त निकालने की बजाय ईटीएफ को बार-बार रिडीम करने का सुझाव भी समिति ने दिया है। इसका अर्थ है कि ईपीएफओ ईटीएफ को केवल तभी भुनाएगा जब वार्षिक रिटर्न 10% या उससे अधिक हो। ईपीएफओ के केंद्रीय न्यासी बोर्ड द्वारा मंजूरी मिलने के बाद इसे लागू कर दिया जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, ईपीएफओ बोर्ड के एक सदस्य ने बताया कि इससे रिडीम पॉलिसी में पारदर्शिता तो आएगी ही साथ ही इससे रिटर्न भी बढ़ेगा। इक्विटी में डेट और अन्य निवेश विकल्पों से ज्यादा रिटर्न मिल रहा है। इसी को देखते हुए अब ईपीएफओ अपनी निवेश रणनीति में बदलाव ला रहा है। श्रम मंत्रालय भी ज्यादा इक्विटी निवेश के पक्ष में है।

रूस के लिए सबसे बड़ा खरीददार बना भारत, हर दिन मंगाया 10 लाख बैरल कच्चा तेल

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत रूस के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया है। पिछले कुछ महीनों में भारत रूस से सबसे ज्यादा कच्चे तेल का आयात कर रहा है। देश ने एक साल पहले की तुलना में 33 गुना अधिक आयात किया है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने दिसंबर में पहली बार रूस से 10 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया था। वहीं, रूस ने अकेले दिसंबर में भारत को 1. 19 मिलियन बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल की सप्लाई की है। रूस से भारत को कच्चे तेल का निर्यात उस समय चरम पर था, जब यूरोपीय संघ और अमेरिका ने रूस के तेल पर प्राइस कैप लगा दिया था।

वोर्टेक्सा लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, दुनिया के तीसरे सबसे बड़े कच्चे तेल के आयातक ने दिसंबर में रूस से औसतन 1.2 मिलियन बैरल प्रति दिन की खरीदारी की। यह नवंबर की तुलना में 29इ अधिक है. कई महीने पहले इराक और सऊदी अरब को पछाड़ने के बाद रूस अब भारत का सबसे बड़ा तेल स्रोत है। नवंबर में रूस से आयात किए गए कच्चे तेल के 909403 बैरल प्रति दिन रहा। अक्टूबर 2022 में 935, 556 बैरल प्रति दिन रहा। रूस ने सबसे अधिक कच्चे तेल के आयात का रिकॉर्ड पिछले साल जून में बनाया था। भारत ने जून में 942,694 बैरल प्रति दिन कच्चे तेल की खरीदारी की थी।

वहीं, रूस अप्रैल-दिसंबर 2022 में व्यापार आयात करने वाले दुनिया के 10 देशों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में रूस से भारत को तेल आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जिसके कारण रूस इस स्थान पर पहुंचा है। भारत के कुल क्रूड आयात में अफ्रीकी तेल की हिस्सेदारी मार्च में 14.5इ से घटकर अप्रैल में 6इ रह गई, जबकि अमेरिका की हिस्सेदारी करीब आधी होकर मात्र 3इ तक सिमट गई। रूस का व्यापार आयात अप्रैल से दिसंबर 2021 में 6.58 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर अप्रैल-दिसंबर 2022 में 32.88 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। यानी एक वित्तीय वर्ष में आयात में 399.73% की वृद्धि हुई है, जो कि एक रिकॉर्ड है।

भारत अपनी जरूरत का 80% तेल आयात करता है। भारत ने बीते साल अप्रैल में रूसी तेल आयात को बढ़ाकर लगभग 2 लाख 77 हजार बैरल प्रति दिन कर दिया, जो मार्च में 66 हजार बैरल प्रति दिन था। बीते साल 8 ऐसे देश थे जिनसे भारत ने रूस की तुलना में अधिक तेल खरीदा था, लेकिन इस के अप्रैल तक यह आंकड़ा कहीं ज्यादा हो गया है. खपत के मामले में अमेरिका और चीन के बाद भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है।

अमेरिका और सऊदी अरब के बाद रूस दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। यहां से रोजाना करीब 50 लाख बैरल क्रूड ऑयल का निर्यात किया जाता है। निर्यात का 50% से ज्यादा हिस्सा यूरोप को सप्लाई होता है। रूसी हमले से पहले भारत अपने कुल इंपोर्ट का 1% रूस से खरीदता था, जो अब बढ़कर 17% हो गया है। मार्च 2022 तक भारत जहां रूस, कजाकिस्तान और अजरबैजान से मात्र 3% तेल खरीद रहा था। सिर्फ एक महीने बाद यह हिस्सा बढ़कर 11इ पर पहुंच गया. भारत ने रूस से मार्च 2022 में 3 लाख बैरल प्रतिदिन और अप्रैल में 7 लाख बैरल प्रतिदिन क्रूड ऑयल खरीदा। 2021 में ये औसत महज 33 हजार बैरल प्रतिदिन का था।

कुछ ही दिनों में पेश होने वाला है देश का आम बजट, अब वित्त मंत्रालय ने मांगी ये चीज

इंदौर। एजेंसी

केंद्र सरकार की ओर से आने वाले कुछ ही दिनों में देश का आम बजट पेश किया जाने वाला है. इस बार के बजट में केंद्र सरकार की ओर से कई अहम ऐलान किए जा सकते हैं. वहीं संसद के बजट सत्र से पहले वित्त मंत्रालय ने विभिन्न मंत्रालयों और विभागों से अनुदान की दूसरी और अंतिम अनुपूरक मांगों को लेकर व्यय प्रस्ताव (Expenditure Proposals) देने को कहा है। मंत्रालय ने कार्यालय ज्ञापन में कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों के अंतिम बैच को संसद के आगामी सत्र में रखे जाने का प्रस्ताव है। बजट संसद का दो चरणों में होने वाला बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा। अनुदान की अंतिम अनुपूरक मांगों को दूसरे चरण में पेश किया जाने की संभावना है। इन मांगों के अंतर्गत आने वाले मामलों में भारत की आकस्मिक निधि से वे अग्रिम शामिल हैं, जिसकी मंजूरी दे दी गई है। इसके अलावा अदालत के आदेश के तहत आने वाली राशि भी इसके अंतर्गत आएगी। साथ ही उन मामलों को भी रखा जाएगा जिसे वित्त मंत्रालय ने शीतकालीन सत्र में विशेष रूप से पूरक मांगों को आगे बढ़ाने की सलाह दी है।

ज्ञापन के मुताबिक, ''अनुपूरक अनुदान के प्रस्तावों पर गौर करते समय, अनुदान नियंत्रण प्राधिकरण को अनिवार्य रूप से अनुदान के भीतर बचत की पहचान करनी चाहिए ताकि बढ़ी हुई पूरक मांगों को समाप्त किया जा सके और पूरक अनुदान प्राप्त करने के बाद वापस करने की स्थिति से बचा जा सके।'' इसमें कहा गया है कि अनुदान की अनुपूरक मांगों के लिए प्रस्ताव को अतिरिक्त कोष की आवश्यकताओं के गहन मूल्यांकन के बाद पेश किया जा सकता है।

ज्ञापन में कहा गया है, सभी मंत्रालयों/विभागों से अनुरोध किया गया है कि वे स्वीकृत संशोधित अनुमान सीमा के तहत खर्च को नियंत्रित करें। अंतिम बैच में शामिल की जाने वाली पूरक मांगों को उचित ठहराने वाले प्रस्तावों को 10 फरवरी, 2023 तक वित्त मंत्रालय के बजट विभाग को भेजा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि संसद ने पिछले महीने अनुदान की पूरक मांग के पहले बैच को मंजूरी दी थी। इसके जरिये 3.25 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त व्यय की अनुमति दी गयी थी। इसमें उर्वरक सब्सिडी मद में 1.09 लाख रुपये का प्रावधान शामिल था।

घट गया हमारा विदेशी मुद्रा भंडार, जानिए क्या है वजह

नई दिल्ली। एजेंसी

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आई है। यह छह जनवरी को समाप्त हफ्ते में 1.268 अरब डॉलर घटकर 561.583 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले हफ्ते देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 562.851 अरब डॉलर हो गया था। इससे पहले, लगातार दो सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आई थी। गौरतलब है कि अक्टूबर, 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। आरबीआई ने डॉलर के मुकाबले रुपये में तेज गिरावट को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग किया था। इस कारण मुंद्रा भंडार में गिरावट आई थी।।

स्वर्ण भंडार में हुई बढ़ोतरी

कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां (FCA) छह जनवरी को समाप्त सप्ताह में 1.747 अरब डॉलर घटकर 496.441 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाला विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। केंद्रीय बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार स्वर्ण भंडार का मूल्य 46.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 41.784 अरब डॉलर हो गया।

एसडीआर में भी हुई बढ़ोतरी

आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (SDR) 3.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.217 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) में रखा देश का मुद्रा भंडार भी 1.8 करोड़ डॉलर घटकर 5.141 अरब डॉलर रह गया। अडानी के पास 22 गुना तो अंबानी के पास 16 गुना ज्यादा दौलत, ये आंकड़े देखकर सकपका जाएगा पाकिस्तान महंगाई और औद्योगित उत्पादन के आंकड़े अच्छे गुरुवार शाम महंगाई और औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी हुए थे। इनके अनुसार, दिसंबर में खुदरा महंगाई घटकर एक साल के निचले स्तर पर दर्ज हुई है। भारत की खुदरा महंगाई दिसंबर, 2022 में घटकर 5.27 फीसदी पर आ गई। विशेष रूप से खाने की चीजों में महंगाई कम हुई है। यह नवंबर, 2022 में 5.88 फीसदी रही थी। वहीं, एक साल पहले दिसंबर, 2021 में यह 5.66 फीसदी रही थी। वहीं, इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रीयल प्रोडक्शन (IIP) बेस्ड औद्योगिक उत्पादन नवंबर में 7.1 फीसदी की दर से बढ़ा है।

Budget 2023: बजट से पहले वित्त मंत्रालय ने दी खुशखबरी, इस चीज पर हो गया टैक्स माफ

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय बजट से पहले ही सरकार ने खुशखबरी दी है। रुपे डेबिट कार्ड और कम मूल्य के भीम-यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए सरकार के जरिए बैंकों को दिए जाने वाले प्रोत्साहन पर माल एवं सेवा कर यानी उएऊ नहीं लगेगा। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। पिछले सप्ताह केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चालू वित्त वर्ष में रुपे डेबिट कार्ड और कम मूल्य के भीम-यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए बैंकों के लिए 2,600 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी थी।

रुपे डेबिट कार्ड

रुपे डेबिट कार्ड और कम मूल्य के भीम-यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना के तहत सरकार बैंकों को रुपे डेबिट कार्ड लेनदेन के मूल्य और 2,000 रुपये तक के कम मूल्य वाले भीम-यूपीआई लेनदेन के प्रतिशत के रूप में प्रोत्साहन राशि का भुगतान करती है। भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 बैंकों और प्रणाली प्रदाताओं को रुपे डेबिट कार्ड या भीम के माध्यम से भुगतान लेने या किसी को भुगतान करने पर शुल्क लेने से रोकता है।

जीएसटी

बता दें कि यूपीआई ने अकेले दिसंबर में 12.82 लाख करोड़ रुपये के मूल्य के 782.9 करोड़ डिजिटल भुगतान लेनदेन का रिकॉर्ड बनाया है। वहीं जीएसटी के मुख्य आयुक्तों को भेजे एक सर्कुलर में मंत्रालय ने कहा कि प्रोत्साहन सीधे सेवा के मूल्य से जुड़ी सब्सिडी से संबंधित है। यह केंद्रीय जीएसटी कानून, 2017 के प्रावधानों के तहत लेनदेन के कर योग्य मूल्य का हिस्सा नहीं है।

जीएसटी रेट

इसमें कहा गया है, ''जैसा कि परिषद द्वारा सिफारिश की गई है, यह स्पष्ट किया जाता है कि रुपे डेबिट कार्ड और कम मूल्य के भीम-यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेइटी) द्वारा दिए गए प्रोत्साहन पर जीएसटी नहीं लगेगा। इस तरह का लेनदेन सब्सिडी के रूप में है और इसपर कर नहीं लगेगा''

रातों रात ललित मोदी ने 28 साल के रुचिर को सौंप दी 4555 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली। एजेंसी

आईपीएल के पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी बहुत बीमार हैं। बीते तीन हफ्तों से वो अस्पताल में भर्ती हैं । उन्हें कोरोना के बाद इंफ्लुएंजा और निमोनिया हो गया है, जिसके कारण वो बेहद कमजोर हो चुके हैं। ऑक्सीजन सपोर्ट पर बीमार ललित मोदी ने अचानक से बड़ा फैसला ले लिया। ललित मोदी ने अचानक से अपने उत्तराधिकारी का फैसला कर लिया। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दे दी। उन्होंने रुचिर मोदी को अपना उत्तराधिकारी बनाया है।

ललित मोदी के उत्तराधिरकारी

ललित मोदी ने अपने एकलौते बेटे रचिर मोदी को अपना उत्तराधिकारी बनाया है। उन्हें अपनी 4555 करोड़ की संपत्ति सौंप दी। कारोबारी केके मोदी फैमिली ट्रस्ट की संपत्ति उन्होंने अपने बेटे रुचिर मोदी को तत्काल ही सौंप दी। रविवार को उन्होंने इसकी घोषणा की, जिसके बाद लोग रुचिर मोदी के बारे में सर्च करने लगे हैं। उन्होंने इस बारे में ट्वीट करने भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बेटी आलिया से बात करने के बाद उन्होंने ये फैसला किया।

कौन हैं रुचिर

28 साल के रुचिर मोदी ललित मोदी के एकलौते बेटे हैं। रुचिर मोदी मोदी इंटरप्राइजेज , गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया लिमिटेड, मोदी केयर , केके मोदी ग्रुप के डायरेक्ट हैं। वो मोदी वेंचर के फाउंडर भी है। उनकी वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के मुताबिक वो कई प्रोजेक्ट को लीड कर रहे हैं। रुचिर ट्वेंटी फोर सेवन कन्वीनियंस स्टोर्स और कलर बार कॉस्मेटिक ब्रांड जसे प्रोजेक्ट को लीड करते हैं। रुचिर मोदी ने लंदन से बिजनस मैनेंजमेंट में ग्रेजुएशन किया है। उन्हें अपने पिता की तरह क्रिकेट का शौक है। वो अलवर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं।

अरबों की संपत्ति के मालिक हैं ललित मोदी

आईपीएल के पूर्व चैयरमैन ललित मोदी की तबीयत खराब है। उन्हें इलाज के लिए मेक्सिको सिटी से लंदन लाया गया है। वो ऑक्सीजन स्पोर्ट पर हैं। बीमारी के बीच उन्होंने अचानक अपने उत्तराधिकारी की घोषणा की। उन्होंने लिखा कि अब वो फैमिली ट्रस्ट की संपत्ति और कमाई में कोई दिलचस्पी नहीं है। वो केकेएमएफटी में बने रहेंगे।ललित मोदी साल 2010 में भारत छोड़कर लंदन पहुंच गए। उनके पास अरबों की संपत्ति है। लंदन में आलीशान महल हैं, जो 7000 एकड़ में फैला है। उनके पास लग्जरी कारों को कलेक्शन है। ललित मोदी का नेटवर्थ लगभग 12 हजार करोड़ हैं। जिसमें से 4500 करोड़ की उनकी संपत्ति है। अब उन्होंने अपनी ये संपत्ति अपने बेटे को सौंप दी है। आपको बता दें कि ललित मोदी से तीन बच्चे हैं, जिसमें से एक सौतेली बेटी भी है।

एग्रो केम फेडरेशन का फसल सुरक्षा वाले रसायनों पर आयात शुल्क जीएसटी कम करने का आग्रह

नयी दिल्ली। एजेंसी

कृषि रसायन क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के संगठन एसीएफआई ने केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से आगामी बजट में फसलों का संरक्षण करने वाले रसायनों पर आयात शुल्क और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कम करने का आग्रह किया है। कीटनाशक बनाने वाली और आयातक इकाइयों का प्रतिनिधित्व करने वाले एग्रो केम फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसीएफआई) ने इस संदर्भ में वित्त मंत्रालय को दिये प्रतिवेदन में सरकार से कृषि रसायनों के लिए अनुकूल कदम उठाने और कृषि विज्ञान केंद्रों (केबीके) के तत्वावधान में अनुसंधान और विकास कार्य को बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्र को वित्तीय सहायता मुहैया कराने का भी अनुरोध किया है।

वित्त मंत्री एक फरवरी को 2023-24 का बजट पेश करेंगी।

संगठन के अध्यक्ष परीक्षित मूंदड़ा ने एक बयान में कहा कि भारत ने पिछले कुछ समय में किसी भी नए फसल संरक्षक रसायन 'मोलेक्यूल' की खोज नहीं की है। इसका कारण खोज से लेकर व्यवसायीकरण तक की प्रक्रिया में अधिक खर्च आना है। इस कारण घरेलू उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना आवश्यक है। एसीएफआई ने कहा, ''देश के पास मौजूदा समय में आयात के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इसलिए आयात शुल्क कम करना जरूरी है ताकि भारतीय किसान नए प्रौद्योगिकीय फसल संरक्षण समाधान से वंचित न रह जाएं।''

एसीएफआई ने उर्वरकों की तरह फसल संरक्षक रसायनों पर जीएसटी को घटाकर पांच प्रतिशत करने का भी आग्रह किया। उसका कहना है कि रसायन पर मौजूदा 18 प्रतिशत का जीएसटी किसानों के हित में नहीं है क्योंकि उन्हें फसल संरक्षक रसायन खरीदने के लिए अधिक खर्च करना पड़ता है। दूसरी तरफ उर्वरक और फसल संरक्षक रसायन एक ही श्रेणी में आते है लेकिन इनपर जीएसटी दर अलग-अलग हैं, जिसका कोई मतलब नहीं है।

वंदे भारत ट्रेन को लेकर बड़ा ऐलान, खुशी हुए यात्री

नई दिल्ली। एजेंसी

देश भर में रेलवे व्यवस्था में कई तरह के बदलाव किए जा रहे हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी देते हुए बताया है कि लंबी दूरी के सफर को छोटा बनाने के लिए देश के कई रूट्स पर वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन शुरू किया जा चुका है। वहीं, कई रूट्स पर अभी इसको शुरू किया जाना है। अश्विनी वैष्णव ने बताया है कि अब दिल्ली से लेकर जयपुर के बीच में वंदे भारत का संचालन किया जाएगा।

1.5 घंटे में पहुंच जाएंगे दिल्ली से जयपुर

अब दिल्ली से जयपुर का सफर आप सिर्फ 1.5 घंटे में पूरा कर सकेंगे। रेल मंत्री ने कहा है कि इसको फरवरी के आखिर तक शुरू किया जा सकता है। इसको लेकर जोरों से काम हो रहा है। रेलवे के इस कदम से आप सिर्फ 1.45 मिनट में दिल्ली से जयपुर पहुंच जाएंगें।

किराए के बारे में नहीं दी कोई जानकारी

अगर इस रूट के किराए को लेकर किसी भी तरह का खुलासा नहीं किया गया है। रेलवे ने इसको लेकर कोई भी अधिकारिक जानकारी नहीं दी है। साथ ही यह ट्रेन कहां-कहां रूकेगी इसके बारे में भी कोई अधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

ज्यादा नहीं होंगे स्टॉपेज

सिर्फ 1.45 घंटे में आप दिल्ली से जयपुर पहुंच जाएंगे तो इस हिसाब से अंदाजा लगाया जा रहा है कि बहुत ज्यादा स्टॉपेज नहीं होंगे। दिल्ली से जयपुर के बीच इस ट्रेन का संचालन शुरू होने से समय की काफी बचत होगी।

अभी कई रूट्स पर चल रही ट्रेनें

इस समय दिल्ली से वाराणसी, गांधीनगर-मुंबई, नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी, हावड़ा-न्यूजलपाईगुड़ी, नागपुर-बिलासपुर समेत कई रूट्स पर ट्रेन का संचालन किया जा रहा है और उम्मीद की जा रही है कि देश भर में जल्द ही 75 नई वंदे भारत का संचालन किया जाएगा।

180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ती है ट्रेन

आपको बता दें वंदे भारत एक्सप्रेस पूरी तरह से भारत में बनाई गई ट्रेन है। यह ट्रेन 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलती है। फिलहाल अभी इस ट्रेन को 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलाया जा रहा है।

फ्रांस, जर्मनी, चीन और अमेरिका की जमात में शामिल होगा भारत, देश में ही बनेंगे हवाई जहाज!

नई दिल्ली। एजेंसी

आने वाले दिनों में आपको मेड इन इंडिया विमान में सफर करने का मौका मिल सकता है। सरकार ने भारत को एयरोस्पेस इंडस्ट्री का हब बनाने के लिए बड़ी योजना बनाई है। भारत एविएशन इंडस्ट्री में बड़ी ताकत बनकर उभर रहा है। देश की एयरलाइन कंपनियां अगले दस साल में 2,000 विमानों का ऑर्डर दे सकती हैं। सरकार चाहती हैं कि एयरबस और बोइंग जैसी दिग्गज कंपनियां भारत में ही विमान तैयार करें। सरकार ने इस बारे में इन कंपनियों से बात भी की है और उनके जवाब का इंतजार है। हाल के वर्षों में एयरक्राफ्ट और टर्बो जेट्स के आयात में भारी तेजी आई है। सरकार ट्रेड डेफिसिट में कमी लाने के लिए ऐसी चीजों की पहचान कर रही है, जिनका बहुत ज्यादा आयात किया जा रहा है।

देश में मिडिल क्लास की आबादी तेजी से बढ़ रही है। इस वर्ग के लिए हवाई जहाज से यात्रा करना अब लग्जरी नहीं रह गया है बल्कि यह उसकी जरूरत बन गई है। यही वजह है कि घरेलू एयरलाइन कंपनियां तेजी से अपने बेड़े का विस्तार कर रही हैं। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने 2019 में A320 नियो किस्म के विमानों का ऑर्डर दिया था। उसके बेड़े में अभी ऐसे 730 विमान हैं। टाटा ग्रुप भी बड़ा ऑर्डर देने की तैयारी में है।

इसके अलावा कई छोटी कंपनियां भी विमानों का ऑर्डर दे सकती हैं। कुल मिलाकर अगले 10 साल में भारतीय एयरलाइन कंपनियां 2000 विमानों का ऑर्डर दे सकती हैं।

इंपोर्ट में भारी तेजी

एयरक्राफ्ट बनाने वाली कंपनियां भारत से भी कुछ कलपुर्जे खरीद रही हैं। लेकिन सरकार इससे संतुष्ट नहीं है। वह चाहती है कि बोइंग और एयरबस भारत में अपनी फाइनल एसेंबली लाइन स्थापित करें। पिछले महीने कॉमर्स डिपार्टमेंट ने देश में एयरक्राफ्ट्स के बढ़ते आयात पर अलर्ट जारी किया था। अप्रैल-सितंबर के दौरान देश में एयरक्राफ्ट्स के आयात में 56.5 फीसदी, टर्बो जेट्स के आयात में 34 फीसदी और हेलीकॉप्टर्स के आयात में 42 फीसदी तेजी आई। इसके बाद एविएशन मिनिस्ट्री ने ट्रेड डेफिसिट को कम करने के लिए रणनीति बनाने का काम शुरू किया था।

फाइनल एसेंबली लाइन का मतलब है कि भारत में इसका पूरा सप्लाई चेन ईकोसिस्टम होगा। इनमें एयरक्राफ्ट की बॉडी बनाने से लेकर विंग्स, एसेंबल्ड इंजन, सीट आदि शामिल है। जानकारों का कहना है कि इस पूरी प्रक्रिया में समय लग सकता है। लेकिन इसकी शुरुआत अभी से हो जानी चाहिए ताकि अगले तीन-चार साल में यह इसका ईकोसिस्टम तैयार हो जाए। सरकार भी मानती है कि यह देश में एयरक्राफ्ट बनाने की दिशा में अगला कदम बढ़ाने का सही समय है।

कहां-कहां एयरक्राफ्ट बनते हैं

यूरोपीय कंपनी एयरबस की पूरी दुनिया में चार फैसिलिटीज हैं। ये फ्रांस के शहर ऊदल्दले, जर्मनी के हैम्बर्ग, चीन के तियानजिन और अमेरिका के श्दंग्त में है। चीन की फैसलिटी ने 2008 में काम करना शुरू किया था और पिछले साल नवंबर में इससे पहला ए321 बनकर तैयार हुआ था। वहीं अमेरिकी कंपनी बोइंग की सारी एसेंबली लाइन अमेरिका में ही हैं। पिछले साल अक्टूबर में टाटा ग्रुप और एयरबस ने एयरफोर्स के लिए सी-295 एयरक्राफ्ट बनाने की घोषणा की थी। अब तक केवल सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स ही सेना के लिए विमान बनाती है।

सब जगह से निराश होने के बाद कैंसर के मरीज़ डॉ जमाल ए खान से इलाज करवाकर ठीक हो रहे हैं :- डॉ जमाल ए खान (MBBS, MD) कैंसर इम्यूनोथेरेपिस्ट.

डॉ जमाल ए खान (MBBS, MD) विश्व प्रसिद्ध कैंसर विशेषज्ञ हैं और कैंसर इम्यूनोथेरेपि के स्पेशलिस्ट डॉक्टर हैं, और यह इम्यूनोथेरेपी के द्वारा कैंसर के मरीज़ों को ठीक कर रहे है। आज ऐसे ही एक पुत्र अपनी मरीज़ माता जी जो कि कैंसर कि बीमारी से ग्रस्त हैं उन्हें कई जगह दिखाया। उन्हें हर जगह से निराशा हाथ लगी पर जब उन्होंने डॉ जमाल ए खान श्ँए श्ऊ इम्यूनोथेरेपि स्पेशलिस्ट को दिखाया और उनसे इलाज करवाया और ठीक हो गई तब उनके पुत्र ने कहा जिनका नाम करन है वह श्इ मंदसौर से है। उन्होंने कहा मेरी मम्मी को 2021 में गले में दिक्कत हुई श्वास नली के अंदर खाना अटकने लगा था। मंदसौर में डॉ को दिखाया तो उन्होंने कहा गले में इन्फेक्शन है बस और 9 महीने दवा चली वहां से कुछ भी आराम नहीं मिला। उसके बाद उदयपुर दिखाया, 3 महिने वहां दवा चली डॉ ने बोला नली सिकुड़ गई है। वहाँ भी कुछ आराम नहीं हुआ। फिर इंदौर गए वहां दिखाया, फिर होम्योपैथिक ट्रीटमेन्ट करवाया। वहाँ भी आराम ना मिलने के कारण वहां से वडोदरा गए वहां भी कोई आराम नहीं हुआ और हालत खराब हो गई। दुबारा इंदौर गए दूसरे अस्पताल में दिखाया जाँच करवाए फिर पता चला कि कैंसर कि बीमारी है। डॉ ने कहा कीमो लगेंगे, 3 कीमो लगवाए फिर उन्होंने रेडियेशन करवाया फिर उसके बाद भी 6 कीमो और लगे फिर भी आराम नहीं हुआ और हालत बहुत खराब हो गई, खाना - पीना यहा तक कि थूक भी गले से नीचे नहीं उतर रहा था। बिल्कुल जाम हो चुका था। रेडियेशन होने के 1-2 महीने बाद हम घर आ गए थे हालत खराब हो चुकी थी। फिर मैंने यू ट्यूब पर सर्च किया कैंसर कि बीमारी के बारे मे तब मुझे डॉ जमाल ए खान का वीडियो दिखा मैंने उनका इम्यूनोथेरेपि का वीडियो देखा इससे पहले मैं इम्यूनोथेरेपि के बारे मे नहीं जानता था कि इम्यूनोथेरेपि क्या है? उनका एक वीडियो देखने के बाद मैंने सारे वीडियो देखे और परिवार मे भी दिखाया। सबको तथा मुझे पूरा विश्वास हो चुका था कि यहाँ के इलाज से मेरी मम्मी पूरी तरह ठीक हो जाएंगी। सबने कहा कि ये ट्रीटमेन्ट करवा लेते हैं। फिर मैंने यू ट्यूब से नंबर निकाल कर डॉ साहब से बात करी और सारी रिपोर्ट भेजी। ऑनलाइन ही पहले डॉ जमाल साहब से वीडियो कॉल पर बात हुई उन्होंने सब समझाया ब्लड कलेक्शन के बारे मे बताया और समझाया। फिर ब्लड कलेक्शन हुआ और पहली डोज जैसे ही लगी हमें मम्मी में थोड़ा सुधार दिखने लगा और धीरे-धीरे मम्मी बिल्कुल ठीक हो गईं। हम सभी बहुत खुश हैं एक नयी उम्मीद दिखा दी डॉ जमाल ए खान साहब ने मेरी मम्मी को ठीक करके।

रॉकेट की तरह भागेगा रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर मुकेश अंबानी के हाथ लगा ग्रोथ का नया इंजन

नई दिल्ली। एजेंसी

देश के दूसरे सबसे बड़े रईस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ग्रीन एनर्जी सेक्टर में बड़ा दांव खेलने जा रहे हैं। जानकारों का कहना है कि ग्रीन हाइड्रोजन बिजनस कंपनी के लिए ग्रोथ का नया इंजन साबित होगा। ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म जेफरीज के मुताबिक रिलायंस अपने ग्रीन एनर्जी बिजनस को अलग करके इसे इनविट स्ट्रक्चर में डाल सकती है। इसका वैल्यूएशन आठ अरब डॉलर हो सकता है। साल 2030 तक भारत और यूरोप में कंपनी का इलेक्ट्रोलाइजर मैन्युफैक्चरिंग बिजनस 74 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी है।

वींगे के मुताबिक रिलायंस अपनी रिफाइनरीज में ग्रे हाइड्रोजन के बजाय ग्रीन हाइड्रोजन का इस्तेमाल करेगी। कंपनी कैप्टिव ग्रीन हाइड्रोजन प्रॉडक्शन को इनविट में डालकर मॉनीटाइज कर सकती है। इन्फ्रास्ट्रक्चर इनवेस्टमेंट ट्रस्ट यानी इनविट एक कलेक्टिव इनवेस्टमेंट स्कीम होती है। यह म्यूचुअल फंड की तरह होता है। इसमें व्यक्तिगत और संस्थागत निवेशक डायरेक्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में निवेश कर सकते हैं। बिजनस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस के अधिकारियों ने कहा कि कंपनी अभी इसमें जल्दबाजी में नहीं है। वह ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का बेहतर मूल्यांकन के लिए इससे प्रॉडक्शन शुरू होने का इंतजार करेगी।

ग्रीन एनर्जी संभालेंगे मुकेश अंबानी

अंबानी पहले ही अपना बिजनस तीनों बच्चों में बांट चुके हैं। बड़े बेटे आकाश अंबानी को टेलिकॉम बिजनस की कमान दी गई है जबकि रिटेल बिजनस बेटी ईशा अंबानी को सौंपा गया है। छोटे बेटे अनंत अंबानी के हिस्से ऑयल रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल्स बिजनस आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 65 साल के मुकेश अंबानी अब अपना पूरा जोर ग्रीन एनर्जी बिजनस पर लगाएंगे। रिलायंस ने ग्रीन एनर्जी बिजनस पर अगले 15 साल में 75 अरब डॉलर का भारी-भरकम निवेश करने का लक्ष्य रखा है। रिलायंस ने 2035 तक कार्बन नेट-जीरो कंपनी बनने का टारगेट रखा है।

ऐसा नहीं है कि रिलायंस वैल्यू अनलॉक करने के लिए पहली बार इनविट का सहारा लेने जा रही है। 2019 में कंपनी ने अपने गैस पाइपलाइन बिजनस को अलग किया था। इसका वैल्यूएशन 13000 करोड़ रुपये था। कनाडा की फाइनेंशियल कंपनी Brookfield को इसमें बतौर इनवेस्टर शामिल किया गया था। अक्टूबर 2020 में भी रिलायंस ने अपने फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क को इनविट के जरिए मॉनीटाइज किया था। बुधवार को रिलायंस का शेयर 0.44 फीसदी तेजी के साथ 2489.40 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

ग्रोथ का इंजन

सूत्रों के मुकेश अंबानी रिलायंस की ग्रीन एनर्जी से जुड़ी स्ट्रैटजी को देखेंगे। इसमें गीगा फैक्ट्रीज का निर्माण और ब्लू हाइड्रोजन फैसिलिटीज शामिल है। साथ ही कंपनी अधिग्रहण के जरिए भी अपना विस्तार करेगी। इसके लिए संभावित निवेशकों से भी बात की जा रही है। अंबानी के बारे में कहा जाता है कि वह किसी भी प्रोजेक्ट पर तन-मन-धन से काम करते हैं। 1990 में उन्होंने पेट्रोलियम बिजनस के लिए दिनरात काम किया था। इसके बाद पिछले दो दशकों में उनका जोर टेलिकॉम बिजनस पर रहा। अब उनका पूरा जोर ग्रीन एनर्जी पर है। यह कंपनी के ग्रोथ का नया इंजन बनने जा रहा है। अंबानी का दावा है कि अगले 5 से 7 साल में रिलायंस का ग्रीन एनर्जी बिजनेस सबसे अधिक मुनाफे वाला कारोबार बन जाएगा।

अमेठी में असाल्ट राइफल AK-203 का निर्माण शुरू

AK-47 से भी हाइटेक है नई बंदूक

अमेठी। एजेंसी

वह दिन दूर नहीं जब उत्तर प्रदेश के अमेठी की बनी राइफल सेना के जवान इस्तेमाल करेंगे। अमेठी के शस्त्र निर्माण फैक्ट्री में बनी एके 203 राइफल का उत्पादन शुरू हो गया है। सेना के जवान अब देश की सीमाओं की सुरक्षा अमेठी की बनी असाल्ट राइफल से करेंगे। इससे देश की सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। बता दें कि, तीन वर्ष पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौरीगंज के कौहार मैदान में जनसभा के दौरान AK-203 राइफल का शिलान्यास किया था। ऐसे में अब करीब तीन साल बाद सेना के जवानों को यह हाइटेक राइफल मिलने की उम्मीद है। इससे उन्हें देश की सीमाओं की रक्षा करने में और मजबूती मिलेगी।

जवानों को राइफल सौंपने की कवायद

मेक इन इंडिया के तहत रूस और भारत के बीच हुए समझौते के बाद सेना के जवानों को यह असॉल्ट राइफल AK-203 सौंपने की कवायद की गई थी। अमेठी में मुंशीगंज के एचएल कोरवा स्थित फैक्ट्री में असाल्ट राइफल AK-203 की पहली खेप का उत्पादन शुरू हो गया है। इससे उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही सेना के जवान अमेठी की बनी AK-203 राइफल से लैस होंगे और वो दुश्मनों को इससे मुंहतोड़ जवाब देंगे। अमेठी में बनने वाली AK-203 राइफल के बनने से जिले के लोग काफी उत्साहित हैं। लोगों का कहना है कि इससे अमेठी की पहचान पूरे देश में होगी और भारतीय सेना काफी मजबूत होगी। यहां बनने वाली AK-203 असॉल्ट राइफल देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाने के लिए मजबूत है। इस राइफल से एक मिनट में 700 राउंड फायरिंग की जा सकती है। साथ ही इसकी क्षमता भी पर्याप्त है।

2023 में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन जाएगा भारत, चीन की जनसंख्या में आई भारी गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी

दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश चीन जनसंख्या में कमी का सामना कर रहा है। पिछले 6 दशकों में पहली बार चीन की जनसंख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। ऐसे में भारत इस साल चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। भारत की आबादी 2023 के अप्रैल महीने में 143 करोड़ तक पहुंच आएगी। इसी के साथ जनसंख?या के मामले में चीन भारत से पिछड़ जाएगा। भारत की जनसंख्या वृद्धि दर बड़े देशों के मुकाबले काफी ज्यादा है। बीते साल (2022 में) दुनियाभर में 13 करोड़ बच्चे पैदा हुए, जिनमें से करीब 2.50 करोड़ बच्चे अकेले भारत में पैदा हुए। चीन में यह आंकड़ा महज 'लाखों' में रहा।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन अब गंभीर जनसंख्या संकट से जूझ रहा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, चीन में पिछले साल 2022 के अंत में 1.41 बिलियन लोग थे, जो 2021 के अंत की तुलना में 850,000 कम थे। यह 1961 के बाद से पहली गिरावट का प्रतीक है। चीन में 2022 में 9.56 मिलियन (90 लाख 56 हजार) लोगों ने जन्म लिया, जबकि मरने वालों की तादाद 10.41 मिलियन (1 करोड़ 41 हजार) दर्ज की गई।

जीरो कोविड पॉलिसी को छोड़ना पड़ा महंगा

दिसंबर की शुरुआत में जीरो कोविड पॉलिसी को अचानक छोड़ने के बाद चीन को कोरोना से संबंधित मौतों में वृद्धि का सामना करना पड़ा। इस साल भी चीन में कोविड से मौतें होने की आशंका है, क्योंकि कोरोना का नया वेरिएंट पूरे देश में फैल रहा है। यह प्रकोप इस वर्ष कोविड से मौतों की संख्या को और बढ़ा सकता है।

चीन ने दिए थे ये आंकड़े

हाल ही में चीन की सरकार ने बताया था कि उनके यहां 8 दिसंबर 2022 से लेकर 12 जनवरी 2023 तक करीब 60 लोगों की कोरोना के कारण मौत हुई है। इससे पहले चीन में निगेटिव जनसंख्या दर 1960 के दशक की शुरुआत में दर्ज की गई थी। यानी पिछले 6 दशक में पहली बार चीन में जन्म लेने वालों से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

आर्थिक तौर पर होगा बुरा असर

चीन की जनसंख्या में आ रही गिरावट का आर्थिक तौर पर काफी बुरा असर होगा। चीन में कम लोग पैदा हो रहे हैं। साथ ही वहां की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है। जल्द ही ऐसा समय भी आएगा, जब चीन के पास काम करने वाले युवाओं की कमी होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि ये ट्रेंड नए घरों और सामानों की मांग को धीमा करके आर्थिक विकास पर ब्रेक के तौर पर काम कर सकती है। जनसंख्या में गिरावट के कारण चीनी अर्थव्यवस्था आकार में अमेरिका से आगे निकलने के लिए भी संघर्ष कर सकती है।

श्रम बल तेजी से हो रहा कम

2019 तक संयुक्त राष्ट्र भविष्यवाणी कर रहा था कि चीन की आबादी 2031 में चरम पर होगी और फिर घट जाएगी, लेकिन पिछले साल संयुक्त राष्ट्र ने उस अनुमान को संशोधित किया था। चीन में श्रम बल पहले से ही सिकुड़ रहा है। दीर्घकालिक घरों की मांग में और गिरावट आने की आशंका है। चीनी सरकार को अपनी कम निधि वाली राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के भुगतान के लिए भी संघर्ष करना पड़ सकता है।

चीन में जन्म दर में भारी गिरावट

चीन की जन्म दर, या प्रति 1,000 लोगों पर नवजात शिशुओं की संख्या पिछले साल घटकर 6.77 रह गई, जो कम से कम 1978 के बाद का सबसे निचला स्तर है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों से पता चलता है कि 62% आबादी कामकाजी उम्र की थी, जिसे चीन 16 से 59 साल की उम्र के लोगों के रूप में परिभाषित करता है। ये एक दशक पहले लगभग 70% से नीचे था।

पुरस्कार विजेता जगुआर आई-पेस अब ज्यादा विशिष्ट और लोगों की सबसे पसंदीदा एसयूवी बनी

मुंबई। एजेंसी

जगुआर आई-पेस ने लॉन्च के बाद अब तक 90 से ज्यादा ग्लोबल अवॉर्ड जीते हैं। 2019 में जगुआर ने अभूतपूर्व ढंग से वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर अवॉर्ड में तीन पुरस्कार जीते, जिसमें वर्ल्ड कार डिजाइन ऑफ द ईयर, वर्ल्ड ग्रीन कार और वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर शामिल है। इससे इसने सभी मानकों पर खरी उतरने वाली ऑल-इलेक्ट्रिक परफॉर्मेंस एसयूवी के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। गुरुत्वाकर्षण के निम्न केंद्र, एडवांस्ड सस्पेंशन सिस्टम और हर एक?सल पर कॉम्?पैक?ट एवं एफिशिएंट इलेक्ट्रिक मोटर्स के साथ, आई-पेस ऑल-व्हील ड्राइव परफॉर्मेंस का बेमिसाल संतुलन, परिष्करण और लचीलापन प्रदान करती है। शानदार रियल-वर्?ड रेंज, बेजोड़ आराम और रोजाना उपयोग करने के लिहाज से यह काफी शानदार एसयूवी है। इसके साथ ही यह व्हीकल का इलेक्ट्रिक डीएनए को भी मजबूत करती है। एटलस ग्रे फ्रंट एपर्चर के बाहर वर्टिकल ब्लेड पर भी किया गया है। इसके अलावा ग्रिल में नया ब्लैक और सिल्वर जगुआर बैज लगाया गया है। यह गाड़ी के डिजाइन में बड़ा बदलाव हैं।

फ्रंट बंपर फिनिशर्स, लोअर डोर फिनिशर्स और रियर डिफ्यूजर अब चमकदार काले रंग की जगह अब बॉडी कलर के हैं। गाड़ी के डिजाइन को सिंपल बनाने और उसे सुधारने के लिए यह ट्रीटमेंट दिया गया है। इससे यह कार देखने में ज्यादा शानदार लगती है। स्टैंडर्ड उपकरण के रूप में आई-पेस के सभी व्हील्स अब चमकदार गहरे भूरे रंग की कॉन्ट्रास्ट फिनिश के साथ डायमंड कलर में बदल गए हैं। यह गाड़ी में शामिल कार्बन फाइबर के पूरक के रूप में काम करते हैं। इसके अलावा इन अपडेट्स को कार का बाहरी ब्लैक पैक और आकर्षक बना देता है। आर-डायनैमिक एसई के सभी मॉडलों में मानक के रूप में चमकदार ब्लैक फिनिश ग्रिल पर, कार की खिड़कियों के आसपास, दरवाजे के पास वाले मिरर कैप्स पर और पिछले बैज पर की गई है।

इस एसयूवी में उपभोक्ताओं को कॉन्ट्रस्ट पैनोरेमिक रूफ का भी ऑप्शन दिया जाता है, जिससे पहली बार उपभोक्ताओं को कार की छत के पिछले भाग में ब्लैक फिनिश मिलती है, जो अब तक कार की बॉडी के कलर की थी। इससे कार का आकर्षक ग्लास पैनल और भी खूबसूरत बन जाता है। उपभोक्ता इस एसयूवी में पहली बार सैटिन पेंट का इस्तेमाल को देख सकते हैं। उपभोक्ताओं को यह एसयूवी ईगर ग्रे या नए कार्पेथियन ग्रे रंग में ऑफर की जाती हैं। यह सब फिनिशिंग कुल मिलाकर आई-पेस को खूबसूरत, सौम्य और समकालीन लुक देते हैं।

प्रदर्शन और गतिशीलता

आई-पेस में उपभोक्ताओं को वास्तविक रूप से ड्राइविंग का शानदार अनुभव मिलता है। एसयूवी के सामने और पीछे के एक?सल पर हल्की, ठोस और सक्षम इलेक्ट्रिक मोटर एकीकृत की गई है। आई-पेस केवल 4.8 सेकेंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है। जगुआर में जिस तरह से बिना किसी समझौते के सुविधा और चपलता प्रदान की गई है, वह अपने आप में इस गाड़ी को काफी अनोखा बनाती है। आई-पेस का एडवांस्ड डबल विशबोन फ्रंट और इसमें एकीकृत लिंक एयर सस्पेंशन इसकी गतिशीलता की क्षमता के प्रमुख मौलिक तत्व हैं।

रेंज और चार्जिंग

भारत में जगुआर आई-पेस के उपभोक्ताओं को 24 माई आई-पेस के साथ अब 11 किलोवॉट एसी का वॉल मॉउंटेड होम चार्जर मिलेगा। थ्री फेज की बिजली और 11 किलोवॉट के होम वॉल बॉक्स के साथ यूजर्स इस वाहन को करीब 9 घंटेङङ में पूरी तरह चार्ज कर सकते हैं। सिंगल फेज इलेक्ट्रिसिटी और 7 किलोवॉट के वॉल बॉक्स को करीब 13 घंटे में पूरी तरह चार्ज किया जा सकता है। आई-पेस की 90 किलोवॉट आवर की लिथियम आयन बैटरी 470 किमी की रेंज (डब्ल्यूएलटीपी) 3 प्रदान करती है।

ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल ने इंदौर के अरबिंदो स्क्वायर में खोली दूसरी शाखा

समूह का लक्ष्य अगले 4 सालों में 150 से शाखाएं खोलना

इंदौर। एजेंसी

भारत में सबसे बड़ा स्कूल चेन समूह बनने के अपने प्रयासों में ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल ने अब इंदौर की अपनी एक शाखा खोल दी है। भोपाल के बाद यह मध्यप्रदेश में की दूसरी शाखा है। इंदौर के अरबिंदो स्क्वायर में खुला यह स्कूल 66,908.27 वर्ग फीट के परिसर में फैला हुआ है। यहां पर स्टेट ऑफ आर्ट सुविधाएं मुहैया कराई गईं हैं। किताबों के स्टॉक से भरी एक लाइब्रेरी, मिनी फुटबॉल कोर्ट, स्केटिंग रिंक, स्टेज, वॉलीबॉल कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, क्रिकेट पिच, पॉली हाउस जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं इसमें शामिल हैं। इसी के साथ ही किड्स प्ले एरिया, डांस एंड म्यूजिक स्टूडियो और एक स्विमिंग पूल भी तैयार किया गया है। इंदौर की इस शाखा में करीब लगभग 600 छात्रों के पढ़ने का सीटिंग अरेंजमेंट है। स्कूल को राइट टू एजुकेशन अधिनियम के तहत पंजीकृत किया गया है। संस्थान में प्री-प्राइमरी से लेकर 8वीं तक के बच्चों के लिए सीबीएसई सिलेबस के अनुसार पढ़ाई होगी। ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल- अरबिंदो स्क्वायर की प्रिंसिपल ने सुश्री अनु सिरिएक ने कहा, 'हमने यह महसूस किया है कि इंदौर में इंटरनेशनल लेवल के स्कूलों की काफी जरूरत और संभावनाएं हैं। ऑर्किड्स में, हम अपने छात्रों को पेडागॉजिकली साउंड और विश्व स्तरीय शिक्षा देंगे। जिससे उनके अंदर ट्रेडिशनल एजुकेशन के साथ ही एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज की भी पहचान और विकास हो। हमारा लक्ष्य लर्निंग एक्सीपीरियंस से छात्रों को रूबरू कराने के साथ ही उन्हें उत्साह वर्धक और समृद्धशाली भी बनाना है।'' इंदौर में खुला दूसरा ध्ए शाखा संपत्ति झील के किनारे के पार्क के पास स्थित है। यहां का वातावरण इतना शांत है कि बच्चे आउटडोर में भी पढ़ाई कर सकते हैं। इसके अलावा, पास में ही मेडिकल कॉलेज और एयरपोर्ट की भी सुविधा उपलब्ध है।

देवता और दानवों ने किया था समुद्र मंथन

लक्ष्य बड़ा हो तो कई लोगों की मदद लेनी पड़ती है और जब काम पूरा हो जाए तो साथियों का सम्मान जरूर करें

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

समुद्र मंथन से जुड़ी कथा है। देवता को अमृत हासिल करने के लिए समुद्र मंथन करना था। काम बहुत बड़ा था, इसलिए असुरों को भी इस काम में शामिल किया गया था। अब समस्या ये थी कि इतना मुश्किल काम कैसे होगा? समुद्र को मथने के लिए योजना बनाई गई कि मथनी के रूप में मंदराचल पर्वत का उपयोग होगा। ये पर्वत विष्णु जी कच्छप अवतार लेकर अपनी पीठ पर धारण करेंगे। पर्वत को समुद्र तक लाने के लिए गरुड़ देव की मदद ली गई थी। गरुड़ देव पर्वत को अपनी पीठ पर लेकर आए थे। इस काम के बाद विष्णु जी ने गरुड़ देव को ससम्मान विदा किया। समुद्र को मथने के लिए वासुकी नाग को रस्सी बनाया गया। इसके बाद देवता और दानवों ने समुद्र का मंथन किया। इस मंथन से 14 दिव्य रत्न निकले। अंत में अमृत निकला, जिसे विष्णु जी ने मोहनी अवतार लेकर देवताओं को वितरित किया। जब समुद्र मंथन से जुड़े सभी काम सही ढंग से पूरे हो गए तो विष्णु जी ने सभी देवताओं, असुरों, मंदराचल पर्वत, वासुकी नाग का सम्मान किया और विनम्रता के साथ सभी को अपने-अपने लोक के लिए विदा किया। इस पूरे आयोजन की योजना विष्णु जी ने ही बनाई थी। किसी ने विष्णु जी से पूछा था कि जब काम पूरा हो गया था तो आपने सभी को अलग-अलग विदा क्यों किया, सभी अपने-अपने हिसाब से लौट जाते? उस समय विष्णु जी ने कहा था कि जब हमारा लक्ष्य बड़ा होता है तो हमें कई लोगों की मदद लेनी पड़ती है। जब हमारा लक्ष्य पूरा हो जाए तो हमारी मदद करने वाले सभी लोगों का सम्मान करना चाहिए और सभी को सम्मान के साथ विदा करना चाहिए। काम की शुरुआत में और अंत में बुद्धिमानी से काम लिया जाए तो बड़े-बड़े लक्ष्य भी आसानी से पूरे हो सकते हैं।

जीवन प्रबंधन

इस प्रसंग में विष्णु जी ने हमें संदेश दिया है कि जो लोग हमारी मदद करते हैं, उन साथियों का सम्मान जरूर करना चाहिए।

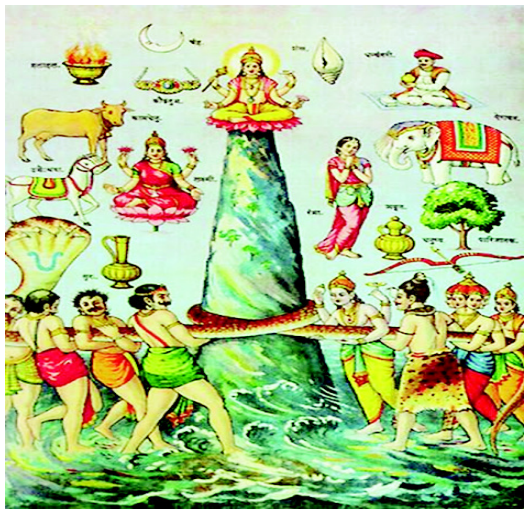

अगर सपने में दिखाई दें इस प्रकार की चीजें, तो समझिए बदलने वाला है आपका भाग्य

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

मनुष्य को नींद के समय सपने आना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन स्वप्न शास्त्र के अनुसार सपने आना केवल एक स्वाभाविक प्रक्रिया नहीं है। बल्कि यह भविष्य में होने वाली घटनाओं का संकेत होते हैं। सपने शुभ-अशुभ दोनों प्रकार के होते हैं। कुछ सपने ऐसे होते हैं जिन्हें आप बार-बार देखना पसंद करते हैं। वहीं कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें आप दोबारा नहीं देखना चाहते। इसी क्रम में आज हम सपने में दिखाई देने वाली ऐसी पांच चीजों के बारे में बात करेंगे। जो आपका भाग्य बदलने का संकेत देती हैं। यदि आपको सपने में कमल का फूल दिखाई देता है, तो यह इस बात का संकेत है कि आपका भाग्य बदलने वाला है। लक्ष्मी मां की कृपा से आपको जल्दी है धन लाभ होगा।

मधुमक्खी का छत्ता

यदि आपको सपने में मधुमक्खी का छत्ता दिखाई दे, तो यह आपके लिए एक बेहद शुभ संकेत माना जाता है। ऐसे सपने का मतलब आपके जीवन में ढेर सारी खुशियां आने वाली है।

दूध पीना

अगर आप खुद को सपने में दूध पीता हुआ देखते हैं, तो इसका अर्थ की आपके जीवन में चल रही आर्थिक परेशानियां दूर होने वाली हैं। आपको अचानक कहीं से धन लाभ हो सकता है।

तोता दिखना

तोते को बहुत शुभ पक्षी माना गया है। यदि सपने में तोता दिखाई देता है तो, यह आपके धनवान होने का संकेत है। ऐसे सपने का अर्थ है आपको जीवन में बड़ा आर्थिक लाभ होने वाला है।

नेवला दिखना

आपको सपने में नेवला दिखाई देता है तो यह आपके लिए शुभ माना जाता है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार सपने में नेवला देखने का अर्थ होता है कि आपको भविष्य में सोने और हीरे के आभूषण मिलने की संभावना है।

चीटियों दिखना

यदि आपको सपने में सफेद चीटिंयों दिखाई देती हैं तो यह बेहद शुभ संकेत होता है। स्वप्न शास्त्र की मानें सफेद चीटियों का दिखना धन प्राप्ति हो सकती है और आप जल्द ही अमीर बन सकते हैं।

जानिए इन राशियों पर क्यों नहीं होता शनि साढ़े साती का असर, शुभ फल की होती है प्राप्ति

शनि न्याय के देवता हैं। कर्म के अनुसार फल प्रदान करते हैं। शनि देव कभी किसी के साथ बुरा नहीं करते। शनि देव का जिस किसी व्यक्ति को आशीर्वाद प्राप्त हो जाता है वह रंक से राजा बन जाता है। वहीं, शनिदेव जब किसी से नाराज हो जाते हैं तो उसके जीवन में सुख नहीं रहता। शनि को प्रसन्न या नाराज होना व्यक्ति के अच्छे-बुरे कर्मों पर निर्भर करता है। हालांकि शनि का गोचर हमेशा हर किसी के लिए अशुभ नहीं होता है। कुंडली की दशा के अनुसार कुछ लोगों के लिए शनि की साढेसाती बहुत ही शुभ होती है। फिर भी कुछ लोगों की जुबान पर शनि की साढेसाती का नाम आते ही उन्हें डर लगने लगता है। ऐसा माना जाता है कि अगर किसी जातक पर शनि की टेढ़ी नजर पड़ जाती है तो उस व्यक्ति के सारे काम बिगड़ने लगते हैं। उनके जीवन में उन्हें कई तरह की परेशानियां आने लगती है।

शनि जब भी एक राशि से दूसरी में गोचर करते है तो व्यक्ति की जन्म राशि से अगली और पिछली राशि में शुभ और अशुभ दोनों तरह के फल प्रदान करते हैं। जिन जातकों पर शनि की साढ़ेसाती शुभ फल देती है उन्हें अपार धन-दौलत, समृद्धि और मान-सम्मान मिलता है। आइए जानते हैं शनि की साढेसाती किन्हें शुभ फल प्रदान करते हैं।

यदि किसी जातक की कुंडली में किसी शुभ ग्रह की दशा या महादशा पहले से चल रही है और इसी दौरान शनि की साढ़ेसाती भी है, तो ऐसी स्थिति में शनि देव अपनी टेढ़ी दृष्टि कम ही डालते हैं। इनके किसी कार्य में रुकावट नहीं आती। इन्हें सफलता जरूर मिलती है लेकिन उसके के लिए मेहनत ज्यादा करनी पड़ती है।

कुंभ एवं मकर शनि की स्वराशि है। तुला राशि में शनि उच्च के होते हैं। ऐसी स्थिति में शनि की साढ़ेसाती होने के बाद भी इन तीन राशियों पर शनि का प्रभाव कम पड़ता है।

यदि किसी जातक की कुंडली में शनि देव तीसरे, छठे, आठवें और बारहवें घर में उच्च हैं, तो ऐसे व्यक्ति पर शनि की साढ़ेसाती होने के बावजूद अशुभ प्रभाव का सामना नहीं करना पड़ता है। बल्कि शनि देव शुभ फलदायी होते हैं।

आचार्य संतोष भार्गव
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

यदि किसी जातक की कुंडली में चंद्रमा मजबूत भाव में बैठा है तो शनि की साढ़ेसाती के दौरान भी जातक पर कोई ज्यादा बुरा असर नहीं होता। ऐसे व्यक्तियों को लाभ मिलने की संभावना ज्यादा रहती है।

पूजा करते समय इन चार चीजों का गिरना होता है अशुभ, जानिए इसके खास उपाय

घर हो या मंदिर पूजा को सभी करते हैं। ऐसे में आरती करते वक्त जाने-अनजाने में कुछ गलतियां हो जाती है। कई बार बैलेंस बिगड़ने से पूजा की थाली अचानक गिर जाती है। कई बार दीपक बुझ जाता है या फिर आरती की थाली से प्रसाद गिर जाता है। ऐसे में इनसे बचने के लिए आपको कुछ उपाय उसी समय कर लेना चाहिए। ताकि आगे जाकर आपको और आपके परिवार को किसी भी तरह का नुकसान न हो। वहीं अगर घर के बच्चों से या आप से ही गलती से मूर्ति खंडित हो जाए तो भी आप इन उपायों को कर सकते हैं।

तस्वीर या मूर्ति का गिरना

पूजा करते समय कई बार लोगों से अचानक मूर्ति गिर जाती है और टूट जाती है। ऐसे में इस घटना को अशुभ माना जाता है। माना जाता है कि मूर्ति खंडित होने पर क्षमा याचना मांगे और उस खंडित तस्वीर को जल में प्रवाहित कर दें।

दीपक का रखें ध्यान

पूजा करते समय अगर अचानक से दीपक गिर जाए तो इसे भी अशुभ घटना माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अगर दीपक हाथों से गिरता है तो ये अनहोनी का संकेत होता है। ऐसी स्थिति में आपको भूल के लिए भगवान से माफी मांगना चाहिए और फिर से दीपक जला लेना चाहिए।

प्रसाद का गिरना

अगर जल्दबाजी में या गलती से आपके हाथों से प्रसाद गिर जाता है तो ज्योतिष शास्त्र में इस घटना को अपशकुन माना गया है। ऐसा माना जाता है कि ऐसी घटना होने पर आपके कार्यों में बाधा आने लगती है। ऐसा होने पर आप इस प्रसाद को उठाकर माथे पर लगाएं और खा लें या फिर किसी गमले में रख दें।

सिंदूर का गिरना

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार सिंदूर का गिरना शुभ और अशुभ दोनों संकेत देता है। पूजा करते समय अगर सिंदूर की डिब्बी हाथ से गिर जाए तो समझ जाएं कि आने वाले वक्त में आपको किसी संकट का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में आप कभी भी इस सिंदूर को झाड़ू या पैर से साफ न करें। इस सिंदूर को आप साफ कपड़े से उठाकर डिब्बी में रख दें और इस सिंदूर को जल में प्रवाहित कर दें।

हिमालया वैलनेस कंपनी ने सरसों और 4 आवश्यक औषधियों के गुणों से युक्त बेबी मसाज़ ऑयल लॉन्च किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के अग्रणी वैलनेस ब्रांड, हिमालया वैलनेस कंपनी ने हाल ही में हिमालया बेबी मसाज़ ऑयल के लॉन्च की घोषणा की, जो सरसों के गुणों से युक्त है। यह ऑयल चुनिंदा औषधियों और सामग्री से बनाया गया है, जो चिपचिपाहटरहित फॉर्मूला के साथ शिशु की स्किन को पोषण प्रदान करती हैं। इसके अलावा ये मॉईस्चर को शिशु की स्किन में लॉक कर देती हैं, जिससे स्किन नरम और मुलायम बनी रहती है। चार औषधियों - एलोवेरा, वेटिवर, विंटर चेरी और कंट्री मैलो के गुणों को जब एक पारंपरिक ऑयल में मिलाया जाता है, तो वो खून का सर्कुलेशन बढ़ाते हैं, पेशियों को आराम देते हैं, और शिशु की वृद्धि में मदद करते हैं। हिमालया के बेबी मसाज़ ऑयल में पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का बेहतरीन मिश्रण है, और यह क्लिनिकली टेस्टेड है। इसे बनाने में पैराबंस, मिनरल ऑयल, और सिंथेटिक खुशबू का उपयोग नहीं किया गया है, जिसके कारण यह नवजात शिशुओं के लिए एक सुरक्षित स्किनकेयर उत्पाद है।

श्री चक्रवर्ती एन.वी, बिज़नेस हेड - बेबीकेयर, हिमालया वैलनेस कंपनी ने कहा, ''बेबी मसाज़

ऑयल की हिमालया इंडियन हैरिटेज़ सीरीज़ सदियों पुरानी पारंपरिक आयुर्वेदिक विधियों से प्रेरित है, जो आपके शिशु की दिनचर्या में बॉडी मसाज़ (अभ्यंगा) के महत्व पर बल देती हैं। इसके अलावा, मिलेनियल अभिभावक अपने शिशुओं के लिए सामग्री और उत्पादों के इस्तेमाल को लेकर ज्यादा सतर्क व जागरुक हो रहे हैं। वो अपने शिशुओं को सही पोषण देने के साथ कैमिकल के मामले में सुरक्षित उत्पाद तलाशते हैं। इसलिए हमारा मानना है कि नया बेबी मसाज़ ऑयल – सरसों आज के अभिभावकों को बहुत पसंद आएगा। इस नए ऑयल के लॉन्च के साथ हम अभिभावकों को ऑल-इन-वन समाधान प्रदान करना चाहते हैं, जिसमें उन्हें अपने शिशुओं के लिए एक साफ-सुथरा अवक्षेप रहित विकल्प मिले।'' उन्होंने आगे कहा, ''पिछले 16 सालों से ज्यादा समय से हमने 14 से ज्यादा बेबीकेयर उत्पादों का एक पोर्टफोलियो बनाया है और हम पूरे भारत में एक मिलियन से ज्यादा ग्राहकों तक पहुँच चुके हैं। इन नए लॉन्च के साथ हम भारत में अपनी पहुँच का विस्तार करना और देश में अपनी स्थिति को मजबूत करना चाहते हैं।''

डॉ. प्रतिभा बैबशेट, आयुर्वेद विशेषज्ञ, आरएंडडी, हिमालया वैलनेस कंपनी ने कहा, ''शुद्ध सरसों के बीजों के साथ सरसों में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं, जो स्किन को आम संक्रमणों और एलर्जी से बचाते हैं। सरसों का तेल पारंपरिक रूप से खुजली को दूर कर स्किन की समस्याओं से बचाता है। शुद्ध सरसों ऑयल से नियमित मालिश नवजात शिशुओं की स्किन की शक्ति बढ़ाती है। साथ ही, ओलीव ऑयल और एलो वेरा स्किन को पोषण प्रदान कर मुलायम बनाते हैं और नमी प्रदान करते हैं। वेटिवर ठंडक देकर आराम प्रदान करता है। इसके अलावा, विंटर चैरी और कंट्री मैलो जैसी औषधियाँ पेशियों की टोनिंग में सुधार लाकर पेशियों को शक्ति प्रदान करती हैं।''

इंदौर के फीनिक्स सिटाडेल में कीहलस (Kiehl's) का अब तक का पहला स्टोर लॉन्च

हेल्दी स्किन एसेसमेंट (एचएसए) ब्यूटी डायग्नोस्टिक टूल और डर्मेटोलॉजिस्ट सॉल्यूशंस के साथ बेहतर ग्राहक अनुभव

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

न्यूयॉर्क में 170 वर्ष की विरासत वाले शानदार एपोथेकरी स्किनकेयर ब्रांड, कीहलस (ख्गप्ट) ने अपनी रिटेल उपस्थिति का विस्तार करने के उद्देश्य से इंदौर में एक नए एक्सक्लूसिव स्टोर की शुरुआत की है। अपने इस विस्तार के साथ ही कीहलस पहली बार मध्य भारत में प्रवेश कर रहा है, जो न सिर्फ इस क्षेत्र की माँग, बल्कि विज्ञान आधारित स्किनकेयर की क्षमता को इंगित करता है। इस स्टोर की शुरुआत फीनिक्स सिटाडेल, एमआर 10 रोड, जंक्शन में की गई है। यह स्टोर स्किनकेयर, हेयरकेयर और बॉडी केयर श्रेणियों में प्रकृति से प्रेरित प्रोडक्ट्स की विस्तृत श्रृंखला के साथ ही विशिष्ट स्किनकेयर के मामलों के लिए विशेष कंसल्टेशन सर्विसेस और डर्मेटोलॉजिस्ट सॉल्यूशंस की पेशकश करेगा। कीहलस, स्किनकेयर अनुभव को एक स्तर ऊपर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसे ध्यान में रखते हुए, यह अपने नए लॉन्च 'हेल्दी स्किन एसेसमेंट टूल' की पेशकश भी कर रहा है। यह टूल एक रोमांचक इनोवेशन है, जो आपकी त्वचा की बाधा शक्ति और हाइड्रेशन स्तर का आकलन करके आपकी त्वचा की वास्तविक समस्याओं की पहचान करने में मदद करता है। कीहलस के स्किन प्रोफेशनल्स इसके ग्राहकों के लिए स्किन रूटीन को कस्टमाइज़ करने के लिए इन परिणामों का उपयोग करते हैं। नए स्टोर में पुराने दौर के एपोथेकरी एस्थेटिक और मॉडर्न एलिमेंट्स का खूबसूरत मिश्रण शामिल है। साथ ही यह अपने मूल में आर्किटेक्चर से लेकर सजावट और प्रोडक्ट्स की पैकेजिंग तक की सौगात भी शामिल करता है। इतना ही नहीं, 'बेहतर फॉर्मूला' के साथ 'स्टोर ऑफ द फ्यूचर' कॉन्सेप्ट का अनुसरण करता है, जहाँ कीहलस के प्रत्येक प्रोडक्ट में स्थायी रूप से सोर्स किया गया एक प्रमुख इंग्रेडिएंट शामिल होता है, और इन इंग्रेडिएंट्स की सूची समय के साथ बढ़ती रहती है। यह कीहलस के प्रतिष्ठित 'मिस्टर बोन्स' स्केलेटन और अनूठी विशेषताओं के साथ कंपनी की न्यूयॉर्क साख को बरकरार रखता है। यह स्टोर अपनी परंपराओं का पालन करते हुए 'ट्राई-बिफोर-यू-बाय' पहल की पेशकश भी कर रहा है, जहाँ खरीदार प्रोडक्ट्स खरीदने से पहले कीहलस के स्किन प्रोफेशनल्स के साथ कॉम्प्लिमेंट्री कंसल्टेशन करके स्किनकेयर जरूरतों के अनुरूप तैयार किए गए फॉर्मूला का परीक्षण कर सकते हैं। इस सेंटर में कीहलस का भारत का 'रीसायकल एंड रिवॉर्ड्स' प्रोग्राम भी उपलब्ध है। आप खाली कंटेनर्स ला सकते हैं और उन्हें रीसायकल कर ब्रांड द्वारा विशेष पुरस्कार जीत सकते हैं। कॉम्प्लिमेंट्री कंसल्टेशन और सैंपलिंग किट के लिए फीनिक्स सिटाडेल, एमआर 10 रोड, जंक्शन स्थित नए लॉन्च किए गए कीहलस स्टोर पर जाएँ और अपना अविश्वसनीय स्किनकेयर सफर शुरू करें।

रॉयल एनफील्ड ने नई सुपर मीटियर 650 लॉन्च की

अंतर्राष्ट्रीय मोटरसाईकल एवं एक्सेसरीज़ प्रदर्शनी दो बेहतरीन वैरिएंट्स और सात आकर्षक रंगों में, बुकिंग शुरू

एजेंसी

क्रूज़र श्रेणी में एक नया कैरेक्टर, स्टाईल और एक्सेसिबिलिटी पेश करते हुए रॉयल एनफील्ड ने नवंबर, 2022 में आईकमा में अपनी खूबसूरत सुपर मीटियर 650 का प्रदर्शन किया। इसके बाद ब्रांड के वार्षिक मोटरसाईक्लिंग महोत्सव - राईडर मानिया में यह मोटरसाईकल अपने सभी रंगों में प्रस्तुत की गई।

रॉयल एनफील्ड ने भारत और यूरोप में नई सुपर मीटियर 650 का लॉन्च कर दिया। ब्रांड ने इस मोटरसाईकल की रिटेल उपलब्धता और मूल्य की घोषणा कर दी। दो विशेष वैरिएंट्स - सुपर मीटियर 650 और सुपर मीटियर 650 ट्रूर और सात विशेष रंगों में निर्मित नई सुपर मीटियर 650 3,48,900 रु. (एक्सशोरूम, भारत) और 6,799 ब्रिटिश पाउंड (ओटीआर, यूके) एवं 7,890 यूरो (एमएसआरपी, फ्रांस) के शुरुआती मूल्य में उपलब्ध होगी। भारत में इस मोटरसाईकल का डिस्प्ले और बुकिंग शुरू हो गए, और इसकी डिलीवरी फरवरी से शुरू होगी। यूरोप में भी बुकिंग शुरू होगी, और रिटेल मार्च 2023 के मध्य से शुरू हो जाएगा।

सुपर मीटियर 650 शानदार क्रूज़र बनाने की रॉयल एनफील्ड की विरासत को आगे बढ़ा रहा है। यह 648सीसी ट्विन प्लेटफॉर्म पर निर्मित है, जो अनेक पुरस्कार जीत चुकी मोटरसाईकल्स, इंटरसेप्टर आईएनटी 650 और कॉन्टिनेंटल जीटी 650 के साथ साल 2018 से पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना चुका है। इसका कठोर परीक्षण बेल्जियन पेव, भारत, यूके और स्पेन में हाईवे, बाईवे, कस्बों और शहरों में किया जा चुका है, और इस प्रक्रिया में यह एक मिलियन से ज्यादा किलोमीटर की दूरी तय कर चुका है, जिसमें इसने सबसे भरोसेमंद और आनंददायक राईड प्रदान की।

नई सुपर मीटियर 650 के बारे में सिद्धार्थ लाल, मैनेजिंग डायरेक्टर, आयशर मोटर्स लिमिटेड ने कहा, ''सुपर मीटियर 650 कई सालों से मिडिलवेट सेगमेंट में हमारे केंद्रण और प्रयासों के बाद विकसित हुई है, और यह हर मामले में थौरोब्रेड, रेट्रो क्रूज़र है। इसकी डिज़ाईन लैंग्वेज, ज्योमेट्री, फॉर्म-फैक्टर और खूबसूरत 650 सीसी ट्विन इंजन इसे अपनी श्रेणी में सबसे खूबसूरत, एक्सेसिबल और सक्षम क्रूज़र बनाता है। सुपर मीटियर 650 के लॉन्च के अवसर पर रॉयल एनफील्ड के सीईओ, बी गोविंदराजन ने कहा, ''हमने न केवल बेहतरीन मोटरसाईकल बनाने, बल्कि उन प्रस्तावों की नवकल्पना पर भी ध्यान केंद्रित किया है, जो पारंपरिक मोटरसाईक्लिंग के सेगमेंट से बढ़कर हैं। हमारे पोर्टफोलियो में थंडरबर्ड को रिप्लेस करने वाली रॉयल एनफील्ड मीटियर 350 ने यह दिखा दिया। इसने न केवल पूरी दुनिया में राईडर्स के लिए क्रूज़िंग को आसान बना दिया, बल्कि यह यूरोप और दुनिया के अन्य हिस्सों में हमारी सबसे ज्यादा बिकने वाली मोटरसाईकल्स में से एक बन गई। सुपर मीटियर 650 क्रूज़िंग के सेगमेंट में एक नई जान फूंक देगी, और एक ऑथेंटिक, एक्सेसिबल एवं मिड-सेगमेंट क्रूज़र के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर लेगी।''

ग्रेसिम पल्प एवं फाइबर ने प्राप्त किया प्रतिष्ठित 'गोल्डन पीकॉक इनोवेशन मैनेजमेंट अवॉर्ड 2022'

बिरला सेल्यूलोज को मिला प्रतिष्ठित 'गोल्डन पीकॉक इनोवेशन मैनेजमेंट अवॉर्ड 2022'

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ग्रेसिम इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के पल्प व फाइबर व्यवसाय को वर्ष 2022 के लिए प्रतिष्ठित व ख्यात 'गोल्डन पीकॉक इनोवेशन मैनेजमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार माननीय न्यायमूर्ति एम.एन. वेंकटचलैया, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायधीश तथा पूर्व अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग व नेशनल कमीशन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ़ इंडिया रिफॉर्म्स (राष्ट्रीय संविधान समीक्षा आयोग, भारत), की अध्यक्षता में गठित ज्यूरी द्वारा प्रदान किये जाते हैं।

मुंबई (भारत) में विशेषतौर पर आयोजित 'गोल्डन पीकॉक अवॉर्ड्स प्रेज़ेंटेशन सेरेमनी' के दौरान पुरस्कार स्वरूप प्रसिद्ध गोल्डन पीकॉक अवॉर्ड्स ट्रॉफी व प्रमाणपत्र, चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर, आदित्य बिरला ग्रुप व बिरला सेल्यूलोज आर एन्ड डी टीम, डॉक्टर 'अस्पी' पटेल, को प्रोफेसर एस. पी. सिंह बघेल, माननीय कानून राज्य मंत्री, भारत सरकार व लेफ्टिनेंट जनरल सुरिंदर नाथ, पीवीएसएम, एवीएसएम (सेवानिवृत्त), प्रेसिडेंट, इंस्टीट्यूट ऑफ़ डायरेक्टर्स, द्वारा प्रदान किये गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित व अग्रणी उद्योगपति कार्यक्रम में उपस्थित थे।

डॉक्टर 'अस्पी' पटेल, चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर, आदित्य बिरला ग्रुप व बिरला सेल्यूलोज आर एन्ड डी टीम ने कहा- 'गोल्डन पीकॉक इनोवेशन मैनेजमेंट अवॉर्ड को प्राप्त करना, इनोवेशन से भरे उन सभी अग्रणी कामों का प्रमाण है जिसे बिरला सेल्यूलोज टीम ने सस्टेनबिलिटी और प्रोडक्ट इनोवेशन के क्षेत्र में पिछले कई वर्षों में साकार किया है। यह पुरस्कार राष्ट्रीय स्तर पर एक सार्थक पहचान मिलने के साथ ही बिरला सेल्यूलोज रिसर्च एन्ड डेवलपमेंट टीम के लिए उत्साहवर्धन भी है।'

गौरतलब है कि अपनी स्थापना के गौरवपूर्ण 30 वर्ष पूरे कर चुका गोल्डन पीकॉक अवॉर्ड, इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स (आईओडी), भारत द्वारा स्थापित किया गया था। वर्तमान में इसे राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कॉर्पोरेट उत्कृष्टता के हॉलमार्क के रूप में पहचान प्राप्त है। इसकी इस विशिष्ट पहचान के पीछे मुख्य कारण इसकी पारदर्शिता से भरपूर मजबूत मूल्यांकन प्रक्रिया व चयन हेतु स्पष्ट कसौटी की स्थापना रही है। यही कारण है कि गोल्डन पीकॉक जैसी प्रतिष्ठा और सम्मान अन्य कोई राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार हासिल नहीं कर पाया है।

पुरस्कार प्राप्त बिरला सेल्यूलोज की केस स्टडी को विनर्स डायजेस्ट में शामिल किया जायेगा, जो कि 'इनोवेशन मैनेजमेंट' के अंतर्गत आने वाले प्रमुख अभियानों को रेखांकित करेगी और इस क्षेत्र में कार्यरत अन्य संस्थानों को सामान्य मापदंडों से ऊपर उठने व इस संदर्भ में शिक्षित करने में मददगार साबित होगी।

गोल्डन पीकॉक ज्यूरी की अध्यक्षता माननीय न्यायमूर्ति एम.एन. वेंकटचलैया, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायधीश तथा पूर्व अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग व नेशनल कमीशन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ़ इंडिया रिफॉर्म्स (राष्ट्रीय संविधान समीक्षा आयोग, भारत), द्वारा की गई और इसमें लेफ्टिनेंट जनरल सुरिंदर नाथ (सेवानिवृत्त) पूर्व वाइस चीफ ऑफ़ आर्मी स्टाफ, पूर्व अध्यक्ष यूपीएससी, डॉ. विवेक के. अग्निहोत्री, आईएएस (सेवानिवृत्त) पूर्व सेक्रेटरी जनरल, राज्य सभा, श्री धनेन्द्र कुमार आईएएस (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष, कमेटी ऑन नेशनल कॉम्पिटीशन पॉलिसी ऑफ़ इंडिया, पूर्व अध्यक्ष, कॉम्पिटीशन कमीशन ऑफ़ इंडिया, पूर्व सचिव, भारत सरकार व पूर्व एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, वर्ल्ड बैंक भी शामिल रहे।

वॉलमार्ट फाउंडेशन ने मप्र और पश्चिम बंगाल में

किसान उत्पादक संगठनों को मज़बूती देने के लिए की 35 लाख डॉलर से अधिक निवेश की घोषणा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

वॉलमार्ट फाउंडेशन ने मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) ढांचे के माध्यम से छोटे किसानों के सशक्तिकरण के उद्देश्य के लिए तीन नए अनुदान देने की घोषणा की है। इस अनुदान में मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण और उनकी आय बढ़ाने के लिए ऐक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज़ को 17 लाख डॉलर, मध्य प्रदेश में छोटे और सीमांत किसानों के जीवन में सुधार लाने और महिलाओं को ग्रामीण उद्यमियों के तौर पर आगे बढ़ाने के लिए सृजन को 10.9 लाख डॉलर और मध्य प्रदेश में छोटे किसानों के लिए जीवनयापन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से ऐक्शन फॉर सोशल एडवांसमेंट (एएसए) को 11 लाख डॉलर दिए जाएंगे। उम्मीद है कि ये प्रोजेक्ट 39 एफपीओ और 60,000 से ज़्यादा छोटे किसानों तक पहुंचेंगे।

जूली गेहरकी, वाइस प्रेसिडेंट एवं चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, वॉलमार्ट फाउंडेशन ने कहा, 'बीते वर्षों के दौरान वॉलमार्ट फाउंडेशन ने भारत में अपने सहयोगियों के माध्यम से छोटे किसानों के जीवनस्तर में सुधार करने और उनके जीवनयापन को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया है। हमने 2018 से इसके लिए 2.5 करोड़ डॉलर से ज़्यादा निवेश किया है। हमें उम्मीद है कि 35 लाख डॉलर के नए अनुदान के साथ ऐक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज़, सृजन और एएसए को अपने प्रयासों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। वॉलमार्ट फाउंडेशन से मिले अनुदान के माध्यम से, ऐक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज़ 'उड़ान-फ्लाइट आउट ऑफ पावर्टी' को लागू कर सकेगी जिसका उद्देश्य एफपीओ को सशक्त बनाकर और समावेशी मूल्य श्रृंखला स्थापित कर 12,000 छोटे किसानों की आय में बढ़ोतरी करना है। यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 20 एफपीओ को क्षमता बढ़ाने में मदद करेगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, एफपीओ को फसल उत्पादन के बाद के प्रबंधन में काम करने और जलवायु के लिहाज़ से अनुकूल कृषि प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अलावा, प्रसंस्करण यूनिट स्थापित करने में मदद करने के साथ-साथ, ऋण, सेवाओं और बाज़ारों तक पहुंच उपलब्ध कराने में सहायता दी जाएगी।

श्री विपिन शर्मा, सीईओ, ऐक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज़ ने कहा, 'आम तौर पर एफपीओ निरंतर समर्थन के बिना लंबी अवधि में अपना काम जारी नहीं रख पाते और उड़ान प्रोग्राम के माध्यम से हम सफल और लंबे समय तक काम करने वाले एफपीओ कारोबार का मॉडल स्थापित करना चाहते हैं। वॉलमार्ट फाउंडेशन से मिली मदद के साथ ये एफपीओ, अन्य प्रमोटर्स और सरकारी एजेंसियों द्वारा सीखने और अपनाने के लिहाज़ से उत्कृष्टता के केंद्र बनेंगे।'

मार्क्स एंड स्पेंसर ने भारत में व्यापार को दी रफ्तार, इंदौर में 96वें स्टोर के साथ मध्य भारत में विस्तार किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

प्रतिष्ठित फैशन ब्रांड मार्क्स एंड स्पेंसर ने इंदौर के फीनिक्स सिटाडेल मॉल में अपना 96वां स्टोर का उद्घाटन किया। यह नया स्टोर इंदौर में दूसरा और मध्य प्रदेश में तीसरा स्टोर है। फीनिक्स सिटाडेल मॉल के ग्राउंड फ्लोर पर 13000 वर्ग फीट से अधिक में बने इस शानदार स्टोर में मेन्स वियर, वूमेंस वियर, किड्स वियर, लॉन्जरी, ब्यूटी, और एक्सेसरीज सहित पूरे परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कलेक्शन उपलब्ध है।

मार्क्स एंड स्पेंसर नए स्टोर खोलने के साथ-साथ मौजूदा स्टोरों के आधुनिकीकरण और उनके आकार में वृद्धि का प्रयास पूर्ण किया। इस प्रयास के साथ वे अपने विकास योजना को भारतीय बाजार में मजबूत करना जारी रखना चाहते है। इस ओमनी-चैनल रिटेलर ने 96 स्टोर के साथ 35 से अधिक शहरों में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है और साथ ही मार्क्स एंड स्पेंसर, अजिओ, मिंत्रा, अमेज़ॅन और ज़िवामे में डिजिटली अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

इस अवसर पर मार्क्स एंड स्पेंसर रिलायंस इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, रितेश मिश्रा ने कहा, 'हमें इंदौर के ग्राहकों से बहुत प्यार मिला है, और हम आज शहर में अपना दूसरा स्टोर खोलकर बेहद खुश हैं। इंदौर में फैशन की डिमांड है, और यहां के कस्टमर एम एंड एस द्वारा दी जाने वाली क्वालिटी और स्टाइल को पसंद करते हैं। सिटाडेल मॉल में यह नया स्टोर और हाल ही में ट्रेजर आइलैंड मॉल में अपडेट किया गया स्टोर कंटेम्परारी और सहज स्टाइल के साथ पुरषों के लिए आरामदायक स्टाइल ऑप्शन के साथ बच्चों और महिलाओं के लिए अंतहीन विकल्प प्रदान करते हैं। पुरूषों के लिए टी-शर्ट की रेंज 899 रुपए से शुरू हो रही है और 1799 रुपए से शर्ट की रेंज शुरू होती है। महिलाओं के लिए 899 रुपए से शुरू होने वाली टी-शर्ट, 1499 रुपये से जॉगर्स, 399 रुपए से शॉवर जैल और 499 रुपए से शुरू होने वाले बच्चों के लिए खरीदारी की जा सकती है। इस शर्दी के सीजन में हीटजेनऊश टेक्नोलॉजी के साथ थर्मल एक विशेष आकर्षण हैं। ये 1999 रुपए से शुरू होने वाली टी-शर्ट के लुक के साथ अल्ट्रा-लाइटवेट थर्मल हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।